C-10

दृष्टि बाधिता के कारण (Causes of Visual Impairment)

बच्चो मे दृष्टि बाधिता के लिए बहुत से तत्व उत्तरदायी होते है। दृष्टि बाधिता सम्बन्धी कारण जैविक व वातावरण दोनो हो सकते है। दृष्टि बाधिता संज्ञानात्मक व विकासात्मक विकार के कारण भी हो सकती है। आँखो सम्बन्धी कोई बीमारी भी बच्चो मे दृष्टि बाधिता के लिए उत्तरदायी हो सकती है। आँख सम्बन्धी चोट या कोई दुर्घटना भी कई बार दृष्टि दोष का कारण बन सकती है। इसलिए दृष्टि बाधिता सम्बन्धी कारणो का वर्णन इसप्रकार है

(1) वंशानुगत कारण — कई बार देखा गया है कि यदि माँ-बाप मे से किसी एक को दृष्टि दोष है तो इसका असर आने वाली संतानो पर पड़ता है। इस प्रकार यह रोग अनुवांशिक हो सकता है। दृष्टि बाधिता के कारण वातावरण व वंशानुक्रम दोनो ही हो सकते है।

(2) दृष्टि बाधिता का कारण — आवासीय समस्या भी हो सकती है जिसके कारण मायोपिया की समस्या होती है। मायोपिया एक निकट-दृष्टि दोष है मायोपिया मे व्यक्ति को दूर की वस्तुएँ देखने मे कठिनाई होती है और वह पास की वस्तुओ को देख लेता है। हाइपरपिया एक दूरदृष्टि रोग है। इसमे व्यक्ति को निकट की वस्तुओ को देखने मे कठिनाई होती है। कुछ बीमारियो से मुरझाकृति की समस्या प्रतीत होती है जिससे दृष्टि सामान्य नही रहती है

Scanned with CamScanner

(3) संक्रमण — प्रायः संक्रमण के कारण भी आँखों की रोशनी पर प्रभाव पड़ता है जो कि बाद में दृष्टि दोष का कारण बन जाता है। Syphilis और Rubella संक्रमण के कारण होने वाली दो भयंकर बीमारियाँ हैं।

(4) आँखों में कई बार केन्द्रीकरण की समस्या पैदा हो जाती है। आँखों के बालस की गति के कारण भी दृष्टि बाधिता रोग हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य बीमारियों के कारण भी आँखों का केन्द्रीयकरण आन्तरिक अथवा बाह्य हो जाता है जैसे - इसोफोनिया, एसोफोनिया, हाइपरफोनिया, हेट्रोफोरिस आदि। केन्द्रीयकरण का कारण वंशानुक्रम व वातावरण दोनों ही होता है।

(5) संज्ञानात्मक व विकासात्मक विकार भी दृष्टि बाधिता पैदा करते हैं। एनाफ्थैल्मिया, माइक्रो-फ्थैल्मिया व रैटिनब्लैसटोमा आदि प्रकार के विकार इनमें से हैं।

(6) विभिन्न प्रकार की आँखों की बीमारियाँ जैसे ट्रैकोमा व ग्लूकोमा आदि और आँखों का संक्रमण दृष्टिबाधिता के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

(7) कभी - कभी आँखों की बीमारि के अलावा साधारण - सी दृष्टि दोष का कारण बन जाती है दृष्टि दोष पैदा कर सकती है।

(8) समय से पहले प्रसव, एण्टीसेप्टिक दवाईयों का प्रयोग और प्रसव के समय प्रयोग होने वाले औजार भी आँखों में संक्रमण

Scanned with CamScanner

03 पैदा कर सकते है, जिससे दृष्टि बाधित हो सकती है।

(9) जन्म से पूर्व अवस्था मे माँ द्वारा गलत दवा का प्रयोग, असन्तुलन आहार और उचित वातावरण न मिलने के कारण भी बच्चो मे दृष्टि दोष हो सकता है

(10) जन्म के बाद चेचक, रोग के कारण, गलत दवा डालने से आँख पर फोड़ा आदि से एवं विष खाने आदि कारको से भी बालक दृष्टि बाधित हो सकता है।

(11) पढ़ने का गलत ढंग, उचित रोशनी मे न पढ़ना व प्रकाश रहित कमरे मे कार्य करने से भी आँखो के दोष पैदा होते है।

(12) कई बार चोट - व दुर्घटना आदि दोष का कारण बन जाते है National Sample survey, 1991 ने सर्वे किया है कि दृष्टि बाधिता के अधिकतर कारणो मे मुख्य कारण बड़ी उम्र या कोई चोट आदि ही रहे है।

(13) कई बार छोटा बच्चा घर मे रखी दवाई या कोई जहरीली वस्तु खा लेता है जो कि दृष्टिदोष का कारण बन जाता है। पेंट, शीशा नीला थोथा आदि इसके उदहारण है।

Scanned with CamScanner

दृष्टि बाधित बच्चो की विशेषता (Characteristics of visually impairment children)

04

दृष्टि का मानव के लिए सबसे अधिक उपयोग है। हम अपने दैनिक कार्यो के लिए पूर्ण रूप से आँखो पर निर्भर होता है। परन्तु यदि बच्चे को दृष्टि दोष हो जाता है तो वह सीमित हो जाता है। समुदाय का दृष्टिकोण लोगो के कला, संस्कृति व विश्वास पर निर्भर करता है कल्याणकारी गतिविधियो के कारण व तकनीकी विकास के कारण लोगो का दृष्टिकोण बदल रहा है परन्तु, लोग अब भी यही सोचते है कि अन्धे लोग कुछ नही कर सकते है, वे अपने माता-पिता पर श्राप के समान होते है। इस प्रकार दृष्टि बाधित बच्चो की विशेषताएँ उनकी बाधिता के आधार पर तथा समाज के आधार पर निम्न प्रकार से वर्णित है—

(1) दृष्टि बाधित बच्चो के अन्दर कम उपलब्धि अभि-प्रेरणा, उनका व्यक्तित्व कम प्रभावशाली व उनमे आत्म-सम्मान की भावना होती है।

(2) वे अपने वातावरण के अनुसार समायोजित नही कर पाते।

(3) दृष्टि बाधित बालको उनके साथियो द्वारा उचित प्रकार से स्वीकार नही किया जाता।

(4) दृष्टि बाधित बालको का सीखने का ढंग सामान्य बालको से अलग होता है, क्योकि सामान्य बालक देखकर व अनुकरण करके सीखते है

Study serves for delight, for ornament, and for ability.

Scanned with CamScanner

APPOINTMENTS NOTES

05 जबकि इनकी समस्त जानकारी तथा ज्ञान श्रावण इन्द्रियो पर आधारित होता है।

(5) इनमें सम्प्रेषण सक्षमता होती है। ये भाषा के माध्यम से ही अपनी - अपनी बात माता - पिता तथा साथियो से कह सकते है। ये भाषा सीखने के लिए अधिक उत्साहित रहते है।

(6) इनकी शाब्दिक अभिव्यक्ति आन्तरिक नही होती है इनके अनुभव पूर्ण नही होते है उनका प्रत्यक्षीकरण सुनने व स्पर्श तक ही सीमित रहता है।

(7) ये अमूर्त प्रत्ययो को समझने मे कठिनाई महसूस करते है, क्योकि अमूर्त प्रत्ययो को केवल देखकर ही समझा जा सकता है, जैसे दूरी आदि। दूरी का अहसास हमे देखने पर ही हो सकता है।

(8) दृष्टि बाधित बालक मानसिक योग्यता की दृष्टि से सामान्य बच्चो से कम नही होते है। यदि इन्हे उचित शिक्षा दी जाये तो इनकी बुद्धिलब्धि आचानक बढ़ जाती है।

(9) दृष्टि बाधित बच्चो की शैक्षणिक उपलब्धता सामान्य बच्चों के ही समान हो सकती है परन्तु ये शब्दार्थ उत्पन्न करने मे कठिनाई पायी जाती है।

❖ The folly of one man is the fortune of another.

June Tu 1 We 2 Th 3 Fr 4 Sa 5 Su 6 Mo 7 Tu 8 We 9 Th 10 Fr 11 Sa 12 Su 13 Mo 14 Tu 15 We 16 Th 17 Fr 18 Sa 19 Su 20 Mo 21 Tu 22 We 23 Th 24 Fr 25 Sa 26 Su 27 Mo 28 Tu 29 We 30 Th •

Scanned with CamScanner

(10) माध्यम रूप से दृष्टि बाधितों के व्यवहार अन्य बालको के प्रति नकारात्मक होते है।

(11) ऐसे बच्चो मे समायोजन की समस्या पैदा होती है क्योकि समाज मे उनके साथ अलग व्यवहार किया जाता है। दूसरे शब्दो, अन्धे व्यक्ति के प्रति समाज की प्रतिक्रिया उसके समायोजन को निर्धारित करती है।

(12) ऐसे बच्चे स्थान व रंगो आदि को समझने मे कठिनाई का अनुभव करते है। वे स्थान का अनुभव किसी स्थान पर पहुचने मे लगे समय के अधार पर करते है। आवाजो से वे दिशा और दूरी का अनुभव प्राप्त करते है।

Scanned with CamScanner